News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-163

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

घृणा को घृणा से खत्म नहीं किया जा सकता है, बल्कि इसे प्रेम से ही खत्म किया जा सकता है।

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, मंगलवार,17 सितम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

अस्पताल जाने के लिए भी खाट ही है एक मात्र सहारा!

जमुई का ऐसा गांव जो आज भी बुनियादी सुविधाओं से कोसों दूर

जमुई। बिहार सरकार और केंद्र सरकार विकास के दावे तो जरूर करती हैं, लेकिन जमुई विकास के दावे और हकीकत में कोसों दूर दिख रहा है. बरसात के दिनों में आधा दर्जन गांव टापू में तब्दील हो जाता है. आजादी के 78 साल बाद भी जमुई का ऐसा गांव जहां आज भी लोग मूलभूत सुविधाओं से कोसों दूर है. पढ़ाई लिखाई और विकास की बातें तो छोड़िए यहां तक की मरीज को अस्पताल जाने के लिए भी कोई व्यवस्था नहीं है. जहां की लोगों को आज भी चारपाई का सहारा लेना पड़ता है.

चारपाई को चार लोगों के द्वारा बस बल्ले के सहारे नदी पार कर लगभग 3 किलोमीटर की दूरी को तय कर मुख्य सड़क पर जाना पड़ता है. जहां तक ही एंबुलेंस और गाड़ियों की सुविधा मिल पाती है. यू कहे तो पूरा देश इस वक्त आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और दूसरी तरफ जमुई जिले के चकाई प्रखंड के जलखरिया सहित आधा दर्जन गांव विकास को लेकर किए गए दावों से महरूम है.

दरअसल, जमुई जिले के सुदूर बरती इलाके में बसा चकाई प्रखंड का जलखरिया गांव के अनिल दास रविवार की सुबह जलखरिया गांव के समीप जंगल में दातुन तोड़ने के लिए गए थे. जहां किसी जहरीले कीड़े ने काट लिया.

गांव में सड़क नहीं रहने के कारण परिजन लगभग 3 किलोमीटर तक खटिया पर लादकर नदी तक ले गए और नदी पर पुल नहीं रहने के कारण इलाज के लिए अस्पताल ले जाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी. उसके बाद खतौली से ही नदी को पार कराया गया. उसके बाद इलाज के लिए देवघर ले जाया गया.

इलाज के लिए ले जाने में देर होने के कारण उनकी हालत गंभीर हो गई थी और अब इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई.

बताते चले कि जलखरिया गांव के ग्रामीणों की दशकों से मांग रही है कि गांव में पक्की सड़क और अजय नदी के जलखरिया घाट पर पुल का निर्माण कराया जाए. जिसको लेकर गांव के सभी ग्रामीणों ने बीते 2019 लोकसभा चुनाव में वोट बहिष्कार कर दिया था.

वोट बहिष्कार होने पर तत्कालीन डीएम और जिले के वरीय पदाधिकारी और जनप्रतिनिधियों के द्वारा ग्रामीणों को आश्वासन दिया था कि चुनाव के बाद अगले 5 वर्ष में गांव में पक्की सड़क और अजय नदी के जलखरिया घाट में उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कराया जाएगा. लेकिन पदाधिकारी और जनप्रतिनिधियों का आश्वासन कोरा कागज साबित हुआ और धरातल पर कुछ भी नहीं हुआ.

ठनका गिरने का भी अलर्ट

बिहार के 19 जिलों में होगी झमाझम बारिश

पटना। बिहार के अधिकांश शहरों में आज सुबह से ही मौसम सुहाना हो गया है. बिहार की राजधानी पटना समेत बिहार के कई जिलों में बीते 2 दिनों से झमाझम बारिश हो रही है. आज भी मौसम का मिजाज ऐसा ही रहने की संभावना है. मौसम विभाग के अनुसार 16 सितंबर को दक्षिण बिहार के तीन जिलों में अत्यंत भारी बारिश वहीं दो जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है. वहीं मौसम विभाग ने दक्षिण बिहार के सभी 19 जिलों में तेज बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है.

मौसम विभाग के अनुसार बिहार के रोहतास, कैमूर और औरंगाबाद के कुछ-कुछ स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी दी गई है जबकि गया, नवादा, अरवल में भारी बारिश के साथ वज्रपात का अलर्ट जारी किया गया है. वहीं राजधानी पटना और उसके आसपास के जिलों में भी मानसून सक्रिय रहेगा. पटना स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक एसके पटेल के अनुसार आज दक्षिण बिहार में मॉनसून बेहद सक्रिय रहेगा. गरज चमक के साथ बारिश होगी साथ ही ठनका भी गिरने की प्रबल संभावना है. इस खतरे को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है.

आज इन शहरों में बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार 16 सितंबर को बिहार के भभुआ, रोहतास, औरंगाबाद में अत्यंत भारी बारिश जबकि गया और नवादा में भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है. इसके अलावा बक्सर, भोजपुर, पटना, अरवल, जहानाबाद, नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय और बेगूसराय में तेज बारिश होने की संभावना है.

मौसम विभाग ने की सावधान रहने की अपील

वहीं, खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर, बांका और जमुई के अनेक जगहों पर मध्यम से तेज बारिश हो सकती है. उत्तर बिहार के सभी 19 जिलों के एक या दो जगहों पर हल्की बारिश होने की संभावना है. आज दक्षिण बिहार में ही बारिश और बिजली गरजने की अधिक संभावना है. ऐसे में लोगों को सचेत रहने की सलाह दी गई है.

तीन साल में 21 हजार करोड़ रुपये कम मिले

केंद्र से बिहार को मिलने वाली राशि में आई कमी

राज्य सरकार 15वें वित्त आयोग में मिली राशि का भी हिसाब लगा रही है। इसके तहत प्रदेश को चौथे साल कितनी राशि मिली और कितनी राशि बकाया है या मिलने की संभावना है। योजना एवं विकास विभाग ने इसपर मंथन शुरू कर दिया है।

इसी आधार पर पांचवें वर्ष के लिए भी राज्य सरकार अलग से कार्य योजना बनाएगी। पिछले दिनों मुख्य सचिव के स्तर पर केन्द्र सरकार से मिलने वाली राशि, केन्द्रीय योजनाओं के कार्यान्वयन और उसके तहत मिली और बकाये राशि को लेकर उच्चस्तरीय बैठक हो चुकी है।

इसके बाद राज्य सरकार केन्द्र से अपनी बकाये राशि के भुगतान के लिए अनुरोध करेगी। इसी क्रम में सरकार देख रही है कि 15वें वित्त आयोग की अद्यतन स्थिति क्या है? दरअसल, बीते 8 वर्षों में केन्द्र की हिस्सेदारी में 8 फीसदी की कमी हो गयी है। यही नहीं केन्द्रीय वित्त आयोग की ओर से बिहार को दी जाने वाली राशि में लगातार कमी होती जा रही है। बिहार को 15वें वित्त आयोग के पहले तीन वर्षों में 21 हजार करोड़ रुपए कम मिले हैं। बिहार को 2020-21 से अगले तीन वर्षों में 2.67 लाख करोड़ मिलना था, लेकिन उसे महज 2.46 करोड़ ही मिला।

13 वें वित्त आयोग से बढ़ा ट्रेंड ऐसे तो बिहार को वित्त आयोग की ओर से अनुशंसित राशि के हिसाब से कभी पूरा पैसा नहीं मिला। लेकिन, बिहार की राशि की कटौती का ट्रेंड 13 वें वित्त आयोग से बढ़ता जा रहा है। इस आयोग के दौरान बिहार को 9.66 फीसदी राशि कम मिली जो 14वें और 15वें वित्त आयोग में बढ़कर 10.61 फीसदी हो गयी। योजना एवं विकास विभाग के अनुसार इस कटौती के कारण बिहार को बीते आठ वर्षों में लगभग 61195 करोड़ की क्षति हो चुकी है।

जदयू दफ्तर पहुंचते ही नाराज हुए बिहार सरकार के यह मंत्री

सीएम नीतीश कुमार की पार्टी की अहम बैठक

विधानसभा चुनाव में हार हाल में रिजल्ट बेहतर हो, इसके लिए सीएम नीतीश कुमार की पार्टी कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर आज जनता दल यूनाईटेड का शीर्ष नेतृत्व बैठक कर रहा है। सीएम नीतीश कुमार एक दिन पहले ही पार्टी कार्यालय आए थे। शीर्ष नेताओं से बातचीत के बाद कई दिशा निर्देश देकर चले गए। सोमवार सुबह करीब 11 बजे जदयू की बैठक शुरू हुई। कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा समेत जदयू के सभी शीर्ष नेता पहुंचे हैं।

नाराज हो गए मंत्री विजेंद्र यादव

इधर, बैठक के बीच से खबर यह आ रही है कि वरीय नेता और बिहार सरकार के मंत्री विजेंद्र यादव नाराज हो गए हैं। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने यहां तक कह दिया कि मैं जदयू में नहीं हूं। सूत्रों की मानें तो बैठक को लेकर जदयू कार्यालय के पास सीएम नीतीश कुमार के साथ शीर्ष नेताओं की तस्वीर लगाई गई थी। इसमें विजेंद्र यादव की तस्वीर गायब थी। इसी बात को लेकर वह नाराज हो गए।

बैठक के बाद कहा- मैं मजाक कर रहा था

इधर, बैठक के बाद जब मंत्री विजेंद्र यादव बाहर निकले तो कहा कि मैं तो मजाक कर रहा था। मजाक में ऐसी बातें कही। अगर नाराज रहता तो मीटिंग में क्यों आता है। वहीं सीएम नीतीश कुमार की पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह से जब मंत्री विजेंद्र यादव की नाराजगी को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि वह जदयू के वरीय नेता हैं। अगर किसी बात को लेकर वह नाराज हैं तो उनसे बात की जाएगी।

लेकिन, जहां तक मुझे जानकारी है तो वह नाराज नहीं है। पार्टी में सबकुछ ठीक चल रहा है।

सोन नदी के जलस्तर में वृद्धि जारी, छोड़ा गया तीन लाख क्यूसेक पानी

सासाराम। बिहार में ऊपरी जल ग्रहण क्षेत्र में तीन दिनों से हो रही बारिश के कारण मंगलवार को भी सोन नदी के जलस्तर में वृद्धि जारी है, वहीं इंद्रपुरी बैराज से आज तीन लाख क्यूसेक पानी सोन नदी में छोड़ा गया।

लोगों को सोन नदी में जाने से किया गया मना

जल संसाधन विभाग के अनुसार, इंद्रपुरी बराज पर आज तीन लाख सात हजार 886 क्यूसेक पानी का प्रवाह दर्ज किया गया, जिसमें से जलाशय स्तर मेंटेन करने के बाद बैराज के 69 में 45 गेट खोल कर तीन लाख क्यूसेक पानी सोन में बहाया जा रहा है। अनुमंडल प्रशासन ने एहतियात के तहत तटवर्ती इलाके के लोगों को सोन नदी में जाने से मना कर दिया है। बाणसागर से आज 17126 क्यूसेक और रिहंद जलाशय से 5883 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। आज पश्चिमी संयोजक नहर में 7317 तथा पूर्वी संयोजक नहर में 4064 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है।

इंद्रपुरी बराज पर जलस्तर की लगातार की जा रही निगरानी

जल संसाधन विभाग के मॉनिटरिंग सेल के कार्यपालक अभियंता भारतीय रानी ने बताया कि इंद्रपुरी बराज पर जलस्तर की लगातार निगरानी की जा रही है।

मोतिहारी के पुलिसकर्मियों के आए अच्छे दिन

नहीं रूठेगी पत्नी, बर्थडे और सालगिरह पर मिलेगी छुट्टी

मोतिहारी। ऐसे तो पुलिस विभाग में छुट्टियों को लेकर काफी दिक्कत होती है लेकिन मोतिहारी के पुलिसकर्मियों के अच्छे दिन आ गए हैं. पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने पदभार ग्रहण करते ही अच्छी खुशखबरी दी है. अब जिले भर के पुलिसकर्मियों को महीने में कम से कम 3 दिन का छुट्टी जरूर मिलेगी. सालगिरह, जन्मदिन या कोई विशेष महोत्सव पर दो दिन की अतिरिक्त छुट्टी मिलेगा. इससे पुलिसकर्मी अपने परिवार के साथ खुशियां मना सकेंगे.

पहले पुलिसकर्मियों को छुट्टी के लिए वरीय पदाधिकारियों के पास चक्कर लगाना पड़ता था. अब एसपी स्वर्ण प्रभात ने बीते सोमवार (16 सितंबर) को योगदान दिया है जिसके बाद छुट्टी वाली अच्छी खबर आई है. स्वर्ण प्रभात ने मीडिया से कहा कि जिले में अंतरराष्ट्रीय खुला बॉर्डर है. फेक करेंसी, मादक पदार्थ समेत शराब कारोबारियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी.

तस्करी पर रोक लगाई जाएगी. अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी.

पुलिसिंग को और बेहतर बनाने की दिशा में होगा काम

एसपी स्वर्ण प्रभात ने यह भी कहा कि विधि-व्यवस्था एवं सांप्रदायिक सदभाव बिगाड़ने वाले के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी. शराब कारोबारी के खिलाफ स्पीडी ट्रायल के माध्यम से कठोर सजा दिलाई जाएगी. पहले से चल रही पुलिसिंग को और बेहतर बनाने की दिशा में काम होगा. अब नवपदस्थापित एसपी स्वर्ण प्रभात के पदभार के बाद पुलिसकर्मियों के हित में लिए गए छुट्टी वाले निर्णय से उनके परिजनों में खुशी है.

बता दें कि स्वर्ण प्रभात से पहले कांतेश कुमार मिश्र मोतिहारी के एसपी थे. अब गोपालगंज के एसपी को पूर्वी चंपारण की जिम्मेदारी दी गई है. पदभार ग्रहण करने से पहले वे बाबा सोमेश्वर नाथ मंदिर पहुंचे. यहां उन्होंने परिवार के साथ पूजा-अर्चना की. इसके बाद पदभार ग्रहण किया. पुलिसकर्मियों से बातचीत भी की. आम लोगों से मिलने का समय भी जारी किया. कहा कि सुबह 11 बजे से तीन बजे तक कार्यालय कक्ष में मिला जा सकता है और लोग अपनी समस्या बता सकते हैं.